वन दिवस पर दुधवा को हरियाली का तोहफा, 8.79 करोड़ होंगे खर्च

अमर उजाला ब्यूरो

मुख्य प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित होगी दुधवा की थीम, नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर, कैंटीन, सभागार और पुस्तकालय का सुंदरीकरण

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस (21 मार्च) के अवसर पर दुधवा नेशनल पार्क में बड़े बदलाव होंगे। लखीमपुर खीरी के पलिया स्थित दुधवा में इंटरप्रिटेशन सेंटर के इको पर्यटन विकास, महेशपुर वन रेंज में इको-टूरिज्म विकास और दिल्ली-एनसीआर व लखनऊ से आने वाले राजमार्गों पर साइनेज लगाने के लिए 8.79 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी की गई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ''''अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस- 2026 की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं' है। यह थीम प्रदेश के वन क्षेत्र को पर्यावरण तक सीमित न रखते हुए, रोजगार, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने का संदेश देती है। इसके तहत दुधवा नेशनल पार्क के इंटरप्रिटेशन सेंटर का इको पर्यटन विकास किया जाएगा। इसके लिए करीब 4.49 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी मिल चुकी है, जिसमें से 3.36 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी कर दी गई है। यहां एक भव्य और आकर्षक मुख्य प्रवेश द्वार बनाया जाएगा, जो दुधवा की थीम को दर्शाएगा। इसके अलावा स्वागत कक्ष, नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर, कैंटीन, बहुउद्देशीय सभागार और पुस्तकालय का सुंदरीकरण किया जाएगा। यहां थारू जनजाति और उनके परिवेश पर आधारित आकर्षक सेल्फी प्वाइंट का निर्माण किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

वहीं, लखीमपुर खीरी के महेशपुर वन रेंज को इको-टूरिज्म के तौर पर विकसित करने के लिए करीब 2.39 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है, जिसमें से लगभग 1.78 करोड़ रुपए की पहली किस्त जारी भी कर दी गई है। इससे कई आधुनिक व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। यहां पेयजल की सुविधा, पेड़ों के नीचे बैठने के लिए विशेष इंतजाम, गजीबो का निर्माण और वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, इंटरलॉकिंग पाथवे, जानवरों की 3डी आकृतियां और सेल्फी पॉइंट बनाए जाएंगे।

दिल्ली-एनसीआर और लखनऊ से दुधवा नेशनल पार्क जाने वाले राजमार्गों पर साइनेज (संकेतक बोर्ड) लगाए जाएंगे, जिससे पर्यटकों को रास्ता ढूंढने में आसानी होगी। सरकार द्वारा करीब 4.88 करोड़ रुपए की स्वीकृत योजना के लिए 3.65 करोड़ रुपए जारी हो चुके हैं।